Dr. Shyam Shanker
Associate Professor
Deptt. of Political Science
Raja Singh College, Siwan
Mob. 8709375511 Email id. Shyamshankarp2407@gmail.com

For BA Hons. Part. II

राजनीतिक संस्कृति के प्रकार

राजनीतिक संस्कृति व्यक्ति तथा समूह के राजनीतिक आचरण का ज्ञान कराती है। यह राजनीतिक व्यवस्था के प्रति एक व्यक्ति या सम्पूर्ण समाज का सम्मिलित व्यवहार होता है। राजनीतिक संस्कृति के प्रकारों का अध्ययन हमें कई आधारों पर करना होगा। सर्वप्रथम संरचना के आधार पर राजनीतिक संस्कार दो प्रकार के होते हैं।

1. अभिजनात्मक संस्कृति — प्रत्येक समाज में अभिजन वर्ग का सदैव अस्तित्व रहा है। अभिजनवर्ग यदि ईमानदारी, सादगी के साथ रहता है तो संपूर्ण समाज में स्वच्छता और सादगी का वातावरण पाया जाता है।

2. जन संस्कृति — जन समाज की संस्कृति विशिष्ट वर्ग की संस्कृति से भिन्न होती है। रूस और चीन में जन संस्कृति की अवहेलना करने और उसका उपहास उड़ाने का परिणाम ही स्वरूप ही वहाँ विशिष्ट जन वर्ग का पतन हुआ।

दूसरे, M E Finer के अनुसार राजनीतिक संस्कृति के प्रकार —

1. परिपक्व राजनीतिक संस्कृति — प्रौढ़ या पाश्चिम राजनीतिक संस्कृति उन देशों में पाई जाती है जहाँ राजनीतिक स्थिरता स्थापित हो चुकी हो। ऐसे देशों में स्थापित व्यवस्था के प्रति आक्रोश या परिवर्तन अथवा विचारहीनता नहीं पाई जाती है। जैसे इंगलैण्ड और अमेरिका।

2. विकसित राजनीतिक संस्कृति — जहाँ राजनीतिक स्थिरता स्थापित हो चुकी है ऐसे भाव में लोग

व्यवस्था में परिवर्तन करना चाहते हैं लेकिन कर नहीं पाते हैं।
3. निम्न राजनीतिक संस्कृति — जिन देशों के नागरिक एक अच्छी शासन व्यवस्था स्थापित करना चाहते हैं लेकिन कर नहीं पाते हैं।
4. न्युनतम स्तरीय राजनीतिक संस्कृति — जिन देशों ने अपने लिए आर्थिक कोई दिशा निर्धारित नहीं की है और उन्हें शासन व्यवस्था का ज्ञान भी नहीं है जैसे अफ्रीकी राष्ट्र।

बाईजमैन के अनुसार राजनीतिक संस्कृति तीन प्रकार के होते हैं।
(1) संकुचित राजनीतिक संस्कृति - यह आदि कालीन राजनीतिक संस्कृति है तथा यह परम्परागत समाजों में पाई जाती है। इसमें राजनीतिक सामाजिक और धार्मिक सभी कार्य एक ही व्यक्ति को करने पड़ते हैं। जैसे कबीले का सरदार।
2. प्रजाभावी राजनीतिक संस्कृति — यह संस्कृति केन्द्रित सत्तावादी ढाँचे में पाई जाती है। जिसमें जनता की नजर राज्यशासन पर होती है। ऐसी व्यवस्था में जनता राजनीतिक अभिकर्ता के रूप में कुछ कर नहीं पाते हैं। शासक जनता के भलाई की घोषणा तो करता है लेकिन वास्तव में वे जनता तक पहुँचते नहीं हैं।
3. सहभागी राजनीतिक संस्कृति — सहभागी संस्कृति प्रजातंत्र में पाई जाती है। इसमें जनता राजनीतिक व्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

आमण्ड के अनुसार राजनीतिक संस्कृति चार प्रकार के होते हैं।
1. आंग्ल अमेरिकन राज्य व्यवस्था — इस प्रणाली में बहुमूल्यों वाली राज संस्कृति पाई जाती है जिसमें जनसंख्या का अधिकांश भाग कुछ मूल्यों के समन्वय की ओर प्रतिबद्ध होता है।
2. महाद्वीपीय यूरोपीय राज्यव्यवस्था — इस प्रणाली में कई प्रकार की राजनीतिक संस्कृति विद्यमान होती है जिससे समय समय पर संघर्ष और हिंसा की स्थिति आती रहती है।
3. गैर पाश्चात्य पूर्व औद्योगिक राज्य या आंशिक रूप से औद्योगिक राज्य व्यवस्था — प्राचीनता और आधुनिकता के मध्य संघर्ष की स्थिति में जो रहे राष्ट्र इसके अन्तर्गत आते हैं।
4. सर्वाधिकारवादी राजनीतिक प्रणाली — इस प्रणाली में व्यक्तिगत स्वतंत्रता नहीं होती।

— o —